



वसु

९

नृपीवल्लभदा वसुंधरी
वीरवा ॥ १ ॥ धनलीधन
वसुमा ॥ यहायाममिता
॥ २ ॥ विद्याधनीमिवास्तु
मम ॥ नृनीतामृतीदनी

दिव्यनृपीसुनृपीचसोमा
वसुंधरीचवसुंधरीजीक
लीधनममं धनरुक्ति
दवी यहायाममिता
का ममाकासुवउमास्तु
विद्यादानधनधनी

॥ ३ ॥ रुषितारुममाताचसर्वात्मनरुषिता इदंनृपासुनीहीमाउ
गमउग्रयनाकुमा ॥ ४ ॥ दानधाममितादवी वसुंधरीदिव्यनृपिणी ॥ नि
धनीसर्वमांगल्या कीर्तिलक्ष्मीयमस्तुहा ॥ ५ ॥ दहनीमानवीचली
वनीसर्वमारुका ॥ रुमानुजाजनीहीमा कोमावीविष्णुपिणी ॥ ६ ॥
विर्यधाममितादवी जगदानन्दलाचनी ॥ नावसीउग्रनृपीच त्रिमहिमि
दिवल्लभदा ॥ ७ ॥ दानवृद्धमहालागम जनितामिमविक्रमा जगद

वसं

३

कहिताविद्यासंश्रममानधीगुहा ॥ ८ ॥ कानिषानमितादवीमलिनरी
अनधायिनी ॥ यज्ञनीपद्मधनीचपद्मासनसमासनी ॥ ९ ॥ उद्धूयी
महामजाहमवर्षपराकनी ॥ चिन्तामलिधनीनाही ॥ प्रह्लादपृष्ठकधवि
नी ॥ १० ॥ निधनीकूटमान्द्राधन्यागमनधनप्रिया ॥ उधुधुकमहाजारी
दिव्याहनकरुषिणी ॥ ११ ॥ मानदीसर्ववृक्षानांनलधनधनधनी ॥ १२ ॥
नयताहाविनीदधीहावाहाविवार्जनी ॥ १३ ॥ वेनायकीविननाचहीपिनी ॥ १४ ॥

आ

२

कृमकदनी ॥ हिन्दिनीसर्वमानानांसहयाकालकारुनी ॥ १५ ॥ बुद्धा
हीविदमाताचगुहनादगुहकारिनी ॥ सनसहीविमलाकीचतुर्वर्ग
विहानिनी ॥ १६ ॥ कथगमीमहानम्यावजितीधर्मधनिनी ॥ वामधन
धनीविद्याविषयकालाउमछुली ॥ १७ ॥ बाधनीसर्वमानानांवाधनी
कृमकदनी ॥ धन्यादिमुक्तसुखनामृद्धयादयहाविनी ॥ १८ ॥ सर्वाधन
धनीरुडाश्रीनूयामरविकुमा ॥ दर्शनीदूधनीमनांनष्टमार्गभ्युदर्शनी

॥ वज्र ॥

॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
समथरुगवान् वज्रयुवि
जमयमभिष्टाय वज्रक
यन्मस्य ॥ अच्युतमरुथं
नाजिहम् ॥ सर्वसत्त्ववि
सादनकनं ॥ सर्वविधा

ववमयाप्रममकभिन्न
हंनहिस्य ॥ सर्वगनीनव
धर्यवज्रसुनियसंसा
ससंहृत्स्थाने सर्वकाय
जापनकनं सर्वसत्त्वाह
कदनकनम् ॥ सर्वविध

॥ ५ ॥

॥ ५ ॥

कमूनकनम् ॥ सर्वधर्मविधिं सनकनं ॥ यजमरुविशायकनम् ॥ सर्वग्रह
सादनकनम् ॥ सर्वग्रहविमाकनकनम् ॥ सर्वरुगायकनकनम् ॥ सर्ववि
शामंडकर्मयनायकनम् ॥ असिधानांसिद्धकनम् ॥ सिद्धानां विनाम
नकनं ॥ सर्वकर्मयदम् ॥ सर्वसत्त्वानुनकनम् ॥ नमिद्धकनम् ॥ सर्वस
त्त्वानां कमूनकनं ॥ सर्वसत्त्वानां माहनकनम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ वज्रानुवाक्यकनं वज्रवाति ॥ वज्रवायन ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1511

[illegible]

30

512

पाठय महावक्त्रकाधयहं ॥ इन्द्र ॥ दिव्य ॥ व ॥ हन ॥ दह ॥ वमृगहं
 ८ ॥ इन्द्राय निहस्य मन्त्रः ॥ ॥ सर्वपापकयंकुल्लाप ॥ ३४ ॥ स्व
 नाभनम् ॥ मनाहि ॥ सर्वमकाक्षी ॥ सर्वशी ॥ समलंक ॥ ३५ ॥ उममा ॥ नदि
 य ॥ रुत्वा ॥ नस्य ॥ य ॥ हना ॥ य ॥ ॥ लक्ष्मि ॥ जपि ॥ विन ॥ स्य ॥ ॥ वन ॥ ॥ य ॥ मा ॥
 मूखा ॥ ॥ को ॥ ना ॥ प्रिय ॥ रुम ॥ इ ॥ स्य ॥ ॥ रु ॥ इ ॥ म ॥ ॥ य ॥ ॥ उ ॥ मा ॥ ॥ ना ॥ हि ॥ ॥ य ॥ स ॥ म
 म ॥ थ ॥ ना ॥ ॥ रु ॥ या ॥ व्य ॥ स ॥ न ॥ म ॥ व ॥ च ॥ ॥ य ॥ ह ॥ न ॥ क ॥ इ ॥ यी ॥ जी ॥ वा ॥ क ॥ वा ॥ र्दा ॥ दा ॥ य ॥ ॥ म ॥ य ॥

[illegible]

बेयम् हि दिना न नरु ४ सम्पद्यमगुहम् ॥ ५ ॥ अथवावह
गवान्वज्रपातिराक्षिममयनन्दनिनि ॥ ६ ॥ अथवावह
धनदयमरुधननक्षत्राष्टम् ॥ ७ ॥ अथमन

॥ ग न ॥

श्रीनमः श्रीगणेशाय नमः
 अथ मन्त्रस्तुतयः
 स्मृ॥ गृध्रकूटपर्वतमह
 तया दनहिर्निर्गुणेश्वर
 हासत्वेन खलपूनः
 नन्दनाम उद्यमस्मृ॥

112

एवमयं

वान् बाङ्गह विहजति
 नाहिक संघनसाईमई
 म्वरुले श्रवाधिसखेम
 समथरुगवान् यूपान
 यश्च श्रिदानन्दमानिग

三

धनयिष्यन्ति वाचयिष्यन्ति पर्यवाप्यन्ति पुवर्ह्यि
 ष्यन्ति नस्य सर्वान् कार्याणि सिद्धानिरुविष्यन्ति नमः॥ ओं नमा
 मुक्त महागणेशाय स्वाहा ओं गङ्गा गङ्गा गङ्गा गङ्गा गङ्गा गङ्गा गङ्गा ८ ओं ग
 णेशाय स्वाहा ओं गङ्गाधियाय स्वाहा ओं गङ्गाधियाय स्वाहा ओं ग
 णेशाय स्वाहा ओं कट मट दन विदम हन गृह
 धनय जम्भय रुम्भय भाहय दहि ददापय धनादि सिद्धिम

गण

१०

वानानुज्ञानयिक्तव्यं नृस्यसर्वोपकार्यनिमित्तं नृनाञ्जसंभयः ॥ सर्वकलिक
हविग्रहविवादप्रतिपक्षं नृस्यसर्वोपकार्यनिमित्तं नृनाञ्जसंभयः ॥ दिनदिनकात्पर्यसम्
त्थयः सप्तवानानुज्ञानयिक्तव्यं महासाहाय्यहविष्यति ॥ नचास्यकश्चिदव
तानंगवर्षी ज्वतानंशुषी ज्वतानंशुषी ॥ नचास्यवाधिरुसक्तना
नवायंरुविष्यति ॥ सजातो जातो जातिस्मन्नाहविष्यति ॥ ६६ दमवाच
रुगवानाहमनाहचवाधिसत्त्वासाचसर्वावहीयर्षत्सदवमान्वासनग

सं

१०

तिनामृत्यायुष्कास्तुवांसत्त्वानामर्थयहिनायसुखाय ॥ ६७ मांसवर्गधगना
ह्रीषविजयानामधनवीक्षनयन्वाचयद्दमययर्थवाप्रयापनस्य प्रसप्त
काभयदीर्घायुष्कास्तुवांसत्त्वानामर्थयहिनायसुखाय ॥ अथखत्वायुष्मानार्यावलाकिमधनावा
धिसत्त्वामहासत्त्वत्तथासनात्कनां कलिपूराहत्वाहगवर्कमहदवाच ॥
दमयदुरुगवन्सर्वधगनाह्रीषविजयानामधनवीक्षनयन्वाचयद्दमयदुरुगवन् ॥ अथ
खत्वरुगवान्सर्वावहीयर्षन्मधुलम्बलाह्मसमन्तावलाकिमधननामस

॥१३॥

मया विहविष्यति दानसुवर्गदिकं राहव्यसुखागमिष्यति ॥ सुसुमासायुः
सुसुवर्षायुषं जीवतु ॥ पद्ममायुसुतं जीवति ॥ सुनिमानुवति सर्वनाथे
विमलारवती ॥ श्रीनाथनथसम्यक्तप्रवृत्तिः ॥ ॐ दमनाचहगवा
नारुमना आयुष्या नार्या वलाकिरुधनाया धिसत्वा महासत्त्वः सत्त्वसुव
वर्णीयवर्गसुदवमान्यासुनगवृत्तगधवर्धलाकाहगवकाहा धिरुमस्यनं
रुनिहि ॥ ॥ आयुः सुसुविज्यातामरुदयः सुवर्णीसुमायुः ॥

॥ व ॥
॥१३॥

ॐ नमो श्रीमद्भगवते
वत्सुहयाय ॥ ॐ नमो भगवते
सम्यक्प्रवृत्ताय ॥ ॐ नमो
धिसत्वाय महासत्त्वाय
भामहासुभमप्राप्ताय
महाकावुलिकाय ॥ वा

ननाये ॥ ॐ नमो
मिहाहाय रुथगताया हर्मा
आर्यावलाकिरुधनाय वा
महाकावुलिकाय ॥ ॐ न
वाधिसत्त्वाय महासत्त्वाय
मनत्वा नमस्यामितान्न

मानी

॥१६॥

सासूर्यचतुसशाठ्यनकाः नगच्छुपि ॥ सा नदध्वननगृच्छननवध्वनन
विनदध्वननमख्यननदध्वननमख्यननदध्वनन ॥ नमस्तु ॥ मयगच्छुमि ॥ य
पितृस्याहिकवा मानीचीनामदवगायानामज्ञाना ॥ सापिनदध्वनन
गृच्छन ॥ नदध्वननमख्यन ॥ नमृच्छन ॥ नदध्वनन ॥ नमस्तु ॥ मयगच्छुमि ॥ सा
हं हिकवा मानीचीदवगायानामज्ञाना ॥ अहमपिनदध्वननगृच्छननव
ध्वननमृच्छननवध्वननमृच्छननदध्वननगच्छुमि ॥ नमस्तु ॥ ॥१६॥

॥१७॥

॥१८॥

निमलपदानिहवति ॥ नयथा ॥ जंयमकुमसि ॥ यनाकुमसि ॥ उदयमसि ॥
वेनमसि ॥ उर्कमसि ॥ उर्ममसि ॥ वनमसि ॥ एस्ममसि ॥ चीवनमसी ॥ महाव
नमसि ॥ अकधानमसिस्वाहा ॥ जंमानीचीदवगायथमांगमपय ॥ उत्प
मांगमपय ॥ नाकूलकामांगमपय ॥ धृगपदमंगमपय ॥ हस्तिरया
त्मांगमपय ॥ सर्वपार्थिकरुयान्मांगमपय ॥ उरुकिमिठकरुयात्मांग
पय ॥ आकूलमअनाकूलममूर्तिरुमअमूर्तिरुम ॥ सिंहनामनकाय

मानी ॥

॥ १० ॥

पुनामनक नागनामनक सूर्यनामनक ॥ नमः ॥ ॐ आला ला म च्छु ल
सत्त्व सिद्धि नक ॥ मम स्य विठानस्य सर्व सत्वाना च सर्व हया य उ व स्य ॥ स्वा
हा ॥ ॐ नमान ल रु या य ॥ ॐ नमा रु ग व स्ये आर्य मानी ची दे व नाथे ॥ नम्या ह
दय मा व रू यि म्या मि ॥ नमः ॥ ॐ व रू ति व ना ह म त्वि सर्व इ क्षा ना च रु म
ख वं ध ॥ स्वाहा ॥ ॐ मानी ची स्वाहा ॥ ॐ व न ल व रू नी व द नी व ना ति व ना ह
म रू खी सर्व इ क्षा ना च रु म ख वं ध स्वाहा ॥ ॥ नमः सर्व विना स ध न ना यु ना ॥ ॥ १० ॥

ॐ नमा रु ग व स्ये आर्य मानी
ऊ रू म क स्मि न् स म य रू ग
म न क र व ना ग य क गं
हान ग म य ना दि स्य सा मां
ग नि ध न ना रु क उ हि
रू य मा ना म हा व रु स

रू का ये ॥ ॥ ॐ वं म या
वान उ क व स्य म हा न ग यं
वी स न ग न उ कि न्न न म
ग न व ध र ह स्य ति उ क
अ स्य विं न कि न्न रु जा दि ति
म या लं का न य ह धि क्षा ना

यह

११५

विष्टिस्तिस्रहासनविहन्तिस्म ॥ अन्नकेवाधिसत्त्वनमस्तु ॥ अन्नसहस्रं ॥ अन्नसहस्रं ॥
कमलिनाचनानामाधिसत्त्वनमस्तु ॥ वज्रचण्डनचनानाम ॥ वज्रचण्डनच
नानाम ॥ वज्रचण्डनचनानाम ॥ वज्रसुन्दरचनानाम ॥ वज्रचापहस्तचनानाम ॥ व
ज्रकुर्वित्तचनानाम ॥ वज्राधियनचनानाम ॥ वज्रालंकारचनानाम ॥ वज्रवि
क्रमचनानाम ॥ वज्रवज्रचनानाम ॥ अवलोकितचनानाम ॥ समकृत
नचनानाम ॥ समकृतलोकितचनानाम ॥ लोकप्रियाव ॥ यमनचनानाम ॥

नलकडुनाचनानाम ॥ विकसितवज्रचनानाम ॥ यमनचनानाम ॥ यम
कडुनाचनानाम ॥ मंशुप्रियावनाम ॥ वज्रयाधिनानाम ॥ मंशुनाचनानाम
वाधिसत्त्वनमस्तु ॥ अन्नसहस्रं ॥ अन्नसहस्रं ॥ अन्नसहस्रं ॥ अन्नसहस्रं ॥
पुनस्तुगारुवाधमन्दनयतिस्म ॥ आदिकल्याणमध्यकल्याणपर्यव
सानकल्याणं स्वार्थस्वयंजनकवल्लयनिपुणपनिष्ठपर्यवसानं
कचयस्तुकायतिस्म ॥ विकसितवज्रचनानामययतिस्म ॥

५६॥

॥१६॥

स्य॥ अथ खलु वज्रपाणिर्वाधिसत्त्वामहासत्त्वकृत्यर्षन्मनुलमवलाब्धकाल
नाइत्थमयस्वमध्मधिष्ठाननरुवकमनकमनसहस्रपदकिंलीकृत्प्रयुक्त
मप्यनमानिषयसगर्हणपर्यंकपर्यलीलयानृत्यर्षन्मनुलमवलाब्धक
जंजलिंस्वहृदयप्रतिष्ठाप्यरुगवकमनदवाचत॥ ग्रहाश्चरुगवन्मन्त्र
नप्रनाशनादनुयाचक्रुवाकननयाश्चमसत्त्वान्विह०यन्ति॥ कथांवि
त्वाधमपहनन्ति॥ कथांविद्वयडवाच्यकर्वन्ति॥ कथांविदाजाहानां च

कर्वन्ति॥ कथांविद्वयमपहनन्ति॥ कथांविदीर्घायुक्तानां सत्त्वानामस्य
यखकर्वन्ति॥ चवसर्वसत्त्वानपडवणवाहयन्ति॥ नदमयडुरुगवान्च
मपर्यायनसर्वसत्त्वाः सर्वापडवस्थानकारुविष्यन्ति॥ एतन्मया
साधुसाधवज्रपाणयस्वसर्वसत्त्वानामथयहिनापडुखायकृपाविरु
मत्वायमहागुक्तानिगुक्तमन्त्रमगर्हसम्यक्कर्वन्निष्टुक्तं॥ ननु
साधुचसृष्टुचमनसिकनृताविष्यह॥ कथायहसमयनयाधैवनामिह

यह
॥२०॥

मधुसूतानामहोष्ठातिशुक्रतनदिव्यपूजांचजाप्यचयथानूक्रमवर्तु
दनसर्वर्षायथउप्यनिरुग्रहायपुजितायतिपूष्यरुनिर्दहकचमानिक
॥ दवाप्यसूनाःश्वेवकिन्ननाश्रमहानमशयकाग्रनारुसाःश्वेवमा
नयाःश्वेवमानषाः॥ नमयतिचक्रुःश्वेमहानग्रहकृसा॥ यज्ञाक
पापवकामिमहाप्रापियथकुमं॥ अथखलुरगवान्ममकमनिरु
थगताहन्ममकंवरु॥ सुहृदयात्कनलविकोडिहन्नामनभिजा

न
॥२०॥

गन्धमल्लकं॥ पद्ममध्वजादभंगुलदुमाधचतुनमचतुर्धानेचतु
स्तानवः॥ अहिकं॥ कर्गमनचक्रसमन्वितं॥ तन्मध्वसिन्धुकमलाय
निकंकमगन्धमल्लकंविनयदयहास्तननायसत्तयधनंउजाय
मिन्धुकमलधनंनक्रनक्षसहप्रवटिसमन्नामालिनंविग्रहंम
स्यदयंकीनराजनंकंस्यधुपं॥ अमथात्कायसाहा॥ ॥ पूर्वस्य
दिमिन्धुकमलायनिविद्युगन्धमल्लकंसावाफनं॥ तिहयं॥

॥ यह ॥

॥ २२ ॥

भित्तवत्कुरुमकुरुधनोदकस्य नारुसुतकमजलधनं कुरुमदयव्यावसक्त
शकनपुमादनपुत्रावासधूपशगंचलावतविक्रमायनितानवखाहा
दकिश्यादिसिगुक्तकमलायनिचननगधमसुलकहि कुरुमंगलवाकन
कुरुवर्धनकुरुमकुरीगकिधनरवनदहकुराशोजनस्यदयहकुरुगुणदने
वागुगुनधयशागनक्रागनसाकलकसुप्रामखाहा ॥ यथिमायादि
भित्तकुरुयमायनिकुरुगुनगधमसुलकवृक्तवानीवधश्याभित्तवत्

वक्तुमयजकसुतकमजलधन ॥ राजनमयमाचकुरुसनधयागधन
सुनाकपुत्र ॥ गंधीकवत्सधनमरदधमखाहा ॥ उक्तनस्यादिसिभि
नकमलायनिदवदानगधमसुलकगुवृक्षमविज्ञाककगुन ॥ अवरुप्तक
चनवर्धनानकसुप्राम ॥ अकसुतककुरुलधन ॥ अस्यदयंदधिरुक्तो
दनकीनंवासमधूपकधूपश ॥ गंलाहिरुवर्धनिर्गमाय ॥ गंलागमस्यदा
यखाहा ॥ अथयथिभित्तकुरुयमायनिचननगधमसुलकगुन

ग्रह

॥२३॥

पापुयममभिरामकीनवर्धननामकसकसुकमसुलधन
मस्यदमंकीनहाजनकमनधय ॥ जनमः शुक्लाधिरागिअसुमः
मायचंद्रविनहसाहा ॥ नमः स्यादिति सिरयकहायनिनीलचं
दममममसुलकमनिधनरुहवर्धनः ॥ रुधिरनयोरुजयमकरममः
॥ अरुसुहकिस्त्रिकाधनः ॥ हाजनममस्यसापरुकरुसुनधया
गन्धनमः ॥ जननिनीलाहासुकरुसुयकरुकरुकरुसाहा ॥ वायव्य

॥२३॥

दिनिनकांशाहायनिरगनयादिगन्धमसुलककायालिकाना
जावर्धनवर्धनितः ॥ रुधिरनयोरुजयमकरममः
लरुकरुटीकरुलाचनयचवर्धनमघनलरुजासोचंद्रसूर्यकमसुल
हिनयस्थिरः ॥ अस्यदयमाषामिषहाजनं किलसनावाविवर्ध
धयः ॥ उर्विकरुवदनमधिनासननाहारिनांजनसुनिहायमम
रुधियायसाहा ॥ नमः स्यादिति नमः सनावहायविष्टकागंध

॥ यह ॥
॥ २४ ॥

मसुलचभलकुरुवत् ॥ धूमवत् ॥ कुलसिनागकुरुवत् ॥
अस्यदयंताजनं घनपुनकं सुजनं धयं ॥ तानमः धमाउसनितायध
निकनवनमः स्वाहा ॥ मसुलचभलवत् ॥ गवान् किलवा
भवकृपातिः यथिमदानलाकनः ॥ उरुनवत् ॥ मः श्रुतीकुमानः
पूर्वार्कनकाः ॥ सर्वद्रहाः ॥ पूर्वदकिलकाः ॥ सर्वनकजाः ॥ दकि
लयथिमकाः ॥ सर्वसुडवाः ॥ यथिमाः ॥ रुवकाः ॥ लरुनिकाः ॥ महा

॥ न ॥
॥ २४ ॥

व्याः ॥ सतन ॥ नल ॥ धिमरवाहुरुदयनव्याव्यानमडादकिः ॥ लन
लचुजावाम ॥ नमः ॥ किधनानलमूकः ॥ रीवकययं कायनिस्थनं
जमनसमाहीना ॥ वाउगवर्षाकानाः ॥ सर्वालकानरुधिकाः ॥ पूर्व
वामवाक् ॥ धननासुस्यदधिरुक् ॥ दकिः ॥ लविनूधकस्यदधिमाय
रुक् ॥ यथिमविनूपाकस्यकीनरुक् ॥ उरुनवत् ॥ नस्यदधिमा
धरुक् ॥ सिंहनसमग ॥ यथमनूकमव ॥ रुदनपराकादया ॥ कथन

५६

२५

कमवर्त्तुदनयूष्यादिः पूजाकर्तव्यास्यकंदीयादयासंगमयूष्या
नैवेद्यनयित्वायचनत्तुषुक्रियाध्यादयः सर्वेषामुपवदयमिमि
॥ एवंवर्त्तुदुक्तसलमयाचिक्रानिहृदंति नमः सर्वमधगमस्यः
वासायनियूनकस्यः सर्वथारुक्लिनस्वाहा नत्तुयस्यमंडं एवं
प्रश्नकंजयन् सप्तसहास्रमरुमकुमकेकः ॥ एवंपुनिकासव
गहाविविधवैपिषः ददन्तिविपुलान्हागमन् ॥ एहाग्यानकयस्य

५

२५

पिः ॥ ८० ॥ मानिवज्याः ॥ ६० ॥ नवग्रहाभिः ॥ ६० ॥ दयानियतिरुशिद्वानियथानूक
मवर्त्तुदनगन्धमधुलकंरुत्वा कादभांगुलिमधुपुनियिक्त्यानिन
प्रमत्तमयनूष्यादिहाजननञ्जर्पदत्वाञ्जुष्टीरुनलनवानान्मकुजयन्
॥ ७० ॥ केकनः ॥ १० ॥ यन्मन्युनवर्त्तुदुक्तसलमयाचिक्रानिहृदंति नमः सर्वमधगमस्यः
सप्तवानान्चात्रयिक्त्यामिः ॥ ८० ॥ रुक्मसर्वग्रहाजादिस्यादयानकावन
॥ ९० ॥ गुप्तिनिष्पंतिः ॥ सर्वग्रहाः ॥ सर्वदानीन्नाचयिक्त्यामिः ॥ गहायूष्यादी

यह
॥ २३ ॥

पीयूकनिष्पत्तिः॥ यच्च खलु पुनर्वर्ज्याः (हृदि हृदि हृदि) यथासुकायासिकाः
अन्तर्वासुकायाय वां कर्षयन्ति नियमिष्यन्ति॥ नमः कालमः पुनः
कालकनिष्पत्तिः॥ यच्च खलु पुनर्वर्ज्याः (हृदि हृदि हृदि) यथासुकायासिकाः
दिनदिनसप्तवानानां नान्यथायिष्यन्ति॥ नमः कालमः पुनः
सर्वमसर्वमायनिपुनयिष्यन्ति॥ नमः कालमः पुनः
मि॥ नमः कालमः पुनः

॥ २४ ॥
॥ २५ ॥

नमः कालमः पुनः
यथासुकायासिकाः
अन्तर्वासुकायाय वां कर्षयन्ति नियमिष्यन्ति॥ नमः कालमः पुनः
कालकनिष्पत्तिः॥ यच्च खलु पुनर्वर्ज्याः (हृदि हृदि हृदि) यथासुकायासिकाः
दिनदिनसप्तवानानां नान्यथायिष्यन्ति॥ नमः कालमः पुनः
सर्वमसर्वमायनिपुनयिष्यन्ति॥ नमः कालमः पुनः
मि॥ नमः कालमः पुनः

२६

२०

मम मायय सर्व यादय मम सर्व विद्यानां च सर्व विद्यान चिंद
हिन्द सर्व विद्यानां च सर्व विद्यानां च सर्व विद्यानां च सर्व विद्यानां च
यं क्रयय मम सर्व सत्त्वानां च सर्व सत्त्वानां च सर्व सत्त्वानां च सर्व सत्त्वानां च
गवती प्रयंक नमह माया प्रसाधय सर्व इष्टानां च सर्व याया
नि मम सपनिदानस्य सर्व सत्त्वानां च सर्व सत्त्वानां च सर्व सत्त्वानां च
सम मंच हृदा हृद हृदा हृद उग्र उग्र मय पुनय रुगव निमना नथे म

॥ ॥

२०

मम सर्व विद्यानां च सर्व सत्त्वानां च सर्व सत्त्वानां च सर्व सत्त्वानां च सर्व सत्त्वानां च
॥ ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ श्री स्वाहा ॥ ॐ धू स्वाहा ॥ ॐ धी स्वाहा ॥ ॐ आदि स्वा
य स्वाहा ॥ ॐ श माय स्वाहा ॥ ॐ धन ती सुताय स्वाहा ॥ ॐ वृक्षाय स्वाहा
ॐ ह हस्य मय स्वाहा ॥ ॐ उक्ताय स्वाहा ॥ ॐ निश्चिनाय स्वाहा ॥ ॐ ना
ह व स्वाहा ॥ ॐ आनिक मय स्वाहा ॥ ॐ वृक्षाय स्वाहा ॥ ॐ वृक्षाय स्वाहा
ॐ य प्रमनाय स्वाहा ॥ ॐ कुमानाय स्वाहा ॥ ॐ सर्व ग्रहानां स्वाहा ॥ ॐ सर्व

四

22

नरुजाभंखाहा ओंमर्वायुना नोकाहा ओंमर्वायुना सीनोखाहा ओंम
र्वविषेहं रुद्र खाहा ओंमर्वायुना नोकाहा ओंमर्वायुना सीनोखाहा ओंम
लीमरुपदानिकार्त्तिकमाहा रुद्रयक रुद्रयमाभानस्यया मभीकारुव
यावच्चतुर्दनीग्रहनरुगान्मर्वायुना नोकाहा ओंमर्वायुना सीनोखाहा ओंम
नव्या रुद्रयुर्मास्यामहा नोकाहा रुद्रयक रुद्रयमाभानस्यया मभीकारुव
मर्वायुना नोकाहा रुद्रयक रुद्रयमाभानस्यया मभीकारुव रुद्रयक रुद्रयमाभानस्यया मभीकारुव

4

24